

river. The late running of No. 334 Down was mainly due to the late arrival of the connecting train at the starting station, excessive pulling of alarm chain and temporary engineering restrictions due to heavy floods.

(b) Punctuality 'drives' have been instituted on all the Railways which will be continued and intensified till the position improves appreciably. Special supervision is being arranged to reduce all avoidable detention and senior supervisory officials have been specially instructed to watch the running of these trains.

CONFERENCE ON RICE

318. **Shri V. Missir:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to hold any conference in the near future to consider the rice problem in this country;

(b) if so, whether any date has been fixed for this purpose; and

(c) what main items are on the agenda of the meeting?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

PASSENGER AMENITIES

319. **Pandit S. C. Mishra:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the number of new waiting rooms and waiting halls constructed on different stations of the Northern Railway, year-wise, during the years 1952-53, 1953-54 and 1954-55 (till the 30th September); and

(b) the number among them which are for third class passengers?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan):

	1952-53	1953-54	1954-55.
(a)	23	17	8
(b)	18	15	8

गाड़ियों के चलाने में देरी

२२०. श्री राधे लाल ग्वास : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उज्जैन से भापाल जाने वाली यात्री गाड़ियां इस वर्ष १ जनवरी से २१ अक्टूबर, १९५४ तक कितने दिन नियत समय के बाध पड़ुचीं तथा आसत देरी कितनी रही ; और

(ख) भापाल से दिल्ली जाने वाली यात्री गाड़ियों से जिनसे कि उज्जैन-भापाल चलने वाली गाड़ियों का मेल रखा गया हैं, उनमें से इस अवधि में किन किन गाड़ियों का कितनी बार भापाल में मेल न हो सका ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेश्वर):
(क) १ जनवरी और २१ अक्टूबर १९५४ के बीच ५०२ अप और १०६ अप सवारी गाड़ियां भापाल में क्रमशः १६० और १५२ बार देर से पड़ुचीं, उनके विलम्ब से पड़ुचने के आसत घण्टा क्रमशः एक घण्टा और ४५ मिनट थे ।

(ख) सम्बन्धित गाड़ियां ५०२ अप उज्जैन-भापाल और १०६ अप रतलाम-उज्जैन-भापाल सवारी गाड़ियां हैं । इन दिनों के बीच ५०२ अप भापाल में दिल्ली जाने वाली १ डाउन पंजाब मेल से १५९ बार मिलान न कर सकी और १०६ अप २ डाउन पठानकोट एक्सप्रेस से १५४ बार मेल नहीं हो सकी ।

इन दोनों गाड़ियों पर समय की पाबन्दी रखी जा रही हैं और जब तक स्थिति में पर्याप्त सुधार नहीं होता इसे जारी रखा जायगा । क्षेत्रीय और प्रधान कार्यालयों से इन गाड़ियों पर प्रतिदिन निगरानी की जा रही हैं और जिन कर्मचारियों की असाधधानी से इन गाड़ियों के समय की पाबन्दी पर प्रभाव पड़ता हैं उनके विरुद्ध तुरन्त कार्यवाही की जाती हैं ।

DELIVERY OF MAILS IN TRIPURA

321. **Shri Biren Dutt:** Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether any complaint has been received by Government regarding the inordinate delay in the despatch of registered parcels to Tripura from Delhi;